आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 23 लखनऊ, सोमवार 21 सितम्बर से 27 सितम्बर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

प्रधानमंत्री ने किसानों को दिलाया भरोसा

नई दिल्ली। दो विवादित कृषि विधेयकों के राज्यसभा से पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक आठ ट्विट करके इसका स्वागत किया और देश भर के किसानों को भरोसा दिया। उन्होंने इन विधेयकों को ऐतिहासिक बताते हुए देश के किसानों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्विट में कहा– भारत के कृषि इतिहास में आज एक बड़ा दिन है। संसद में अहम विधेयकों के पारित होने पर मैं अपने परिश्रमी अन्नदाताओं को बधाई देता हूं। यह न केवल ेषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाएगा, बल्कि इससे करोड़ों किसान सशक्त होंगे। एक दूसरे ट्विट में किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि एमएसपी और सरकारी खरीद की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके बाद अपने अगले ट्विट में पीएम ने लिखा– दशकों तक हमारे किसान भाई–बहन कई प्रकार के बंधनों

में जकड़े हुए थे और उन्हें बिचौलियों का सामना करना पड़ता था। संसद में पारित विधेयकों से अन्नदाताओं को इन सबसे आजादी मिली है। इससे किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों को बल मिलेगा और उनकी समृद्धि सुनिश्चित होगी। उन्होंने एक दूसरे ट्विट में कहा– मैं पहले भी कह चुका हूं और एक बार फिर कहता हूं, एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी, सरकारी खरीद जारी रहेगी, हम यहां अपने किसानों की सेवा के लिए हैं। हम अन्नदाताओं की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करेंगे। एक अन्य ट्विट में पीएम ने लिखा– हमारे ेषि क्षेत्र को आधुनिकतम तकनीक की तत्काल जरूरत है, क्योंकि इससे मेहनतकश किसानों को मदद मिलेगी। अब इन बिलों के पास होने से हमारे किसानों की पहुंच भविष्य की टेक्नोलॉजी तक आसान होगी।

विदित कृषि बिल पास होन पर किसानों ने आंदोलन तेज किया

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों से दो विवादित कृषि बिल पास होने के बीच रविवार को पंजाब और हरियाणा के किसानों ने आंदोलन तेज कर दिया। दोनों राज्यों के कई हिस्सों से किसानों ने दिल्ली के लिए मार्च किया। कई जगह किसानों ने प्रदर्शन किया। पंजाब में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड ने हरी झंडी दिखा कर किसानों के दिल्ली मार्च को रवाना किया। दिल्ली–हरियाणा की सीमा पर किसानों ने एक ट्रैक्टर जला दिया और पुलिस को पानी की बौछार करके किसानों को पीछे हटाना पड़ा। रविवार को देश के कई किसान संगठनों ने विरोध–प्रदर्शन का आयोजन किया था। किसानों के संगठनों ने २५ सितंबर को भारत बंद का आह्वान किया है। बहरहाल, रविवार को पंजाब और हरियाणा में किसानों ने कई जगह सड़क जाम किया। सैकड़ों की संख्या में किसानों ने अंबाला में हाईवे जाम किया।

किसान ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर उतरे और बिल के विरोध में नारेबाजी की। अंबाला से सटे सादोपुर सीमा पर रविवार किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। अंबाला के एसपी अभिषेक जोरवाल ने कहा– भारतीय किसान यूनियन ने प्रदर्शन बुलाया है, इसको देखते हुए बैरिकेडिंग की गई है। हमारे पास यहां पर पर्याप्त सुरक्षा बल है, हमने ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया है। उन्होंने कहा– जो लोग दिल्ली, कुरुक्षेत्र से आ रहे हैं, हमारे पास उनके लिए डायवर्जन प्लान है। हरियाणा में १६–१७ किसान संगठनों ने विधेयक के विरोध में प्रदर्शन बुलाया था।

कोविड–१६ के खिलाफ लड़ाई में बरेली मण्डल काफी सफल : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बरेली मण्डल के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि कोविड–१६ के खिलाफ लड़ाई में बरेली मण्डल काफी सफल है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेशवासियों के पैसे का शत–प्रतिशत उपयोग हो, इसके

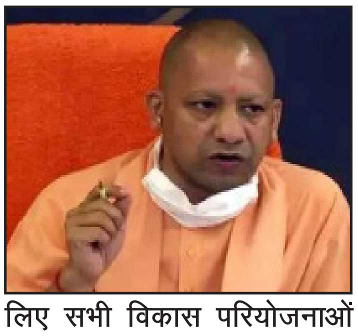

लिए सभी विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए इन्हें समयबद्ध और मानक के अनुरूप क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्विलांस और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को तेजी से संचालित करते हुए जीवन रक्षा की जाए। एचएफएनसी (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) से मरीजों को राहत मिल रही है। इसलिए इसकी प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। एल–२ कोविड चिकित्सालयों तथा सभी वेण्टीलेटरों को कार्यशील रखा जाए। मुख्यमंत्री योगी ने मलेरिया आदि विभिन्न संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए भी सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण का कोई भी कार्य लम्बित नहीं रहना चाहिए। इससे आम जनता को असुविधा होती है। उन्होंने मण्डलायुक्त को अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने प्रमुख सचिव नगर विकास को निर्देशित किया कि वे बरेली जिले में डूडा के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती पीलीभीत जिले में सड़कों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने मण्डलायुक्त को बरेली में ३०० शैय्यायुक्त संयुक्त चिकित्सालय को तेजी से पूर्ण कराते हुए इस चिकित्सालय में कोविड अस्पताल का संचालन शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं का अवशेष निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। बदायूं में स्वच्छता और सैनेटाइजेशन की व्यापक कार्यवाही की जाए। उन्होंने बदायूं के लिए अमृत योजना की तर्ज पर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि बरेली जिले में बरेली–बदायूं मार्ग पर लाल फाटक के पास आरओबी के शेष निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुए आवश्यक सहमति प्राप्त की जाए। सिंचाई विभाग द्वारा बदायूं सिंचाई परियोजना की समस्त स्थिति की जांच कराकर परियोजना को पूरा किया जाए। उन्होंने पीलीभीत में चूका का पर्यटन विकास कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी तथा अमृत योजना के सभी कार्यों को मानक के अनुरूप निर्धारित समय–सीमा में क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी और अमृत योजना के प्रस्ताव त्वरित और पारदर्शी ढंग से स्वीकृत किए जाएं। बरेली में स्मार्ट सिटी योजना के कार्यों को तेजी से संचालित किया जाए। बरेली मण्डल में अमृत योजना के कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। इस योजना के तहत पेयजल और सीवरेज के कनेक्शन उपभोक्ताओं के शीघ्रता से उपलब्ध कराए जाएं, जिससे शहरी क्षेत्रों की जनता लाभान्वित हो सके।

देर शाम राजनाथ उतरे बचाव में

नई दिल्ली। विवादित कृषि विधेयकों को ध्वनि मत से राज्यसभा में पास कराए जाने के बाद विपक्ष के विरोध और हंगामे को देखते हुए सरकार ने राजनाथ सिंह को बचाव में उतारा। देर शाम राजनाथ सिंह सहित छह केंद्रीय मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस की। राजनाथ ने देश के किसानों को भरोसा दिलाया कि किसी भी कीमत पर न्यूनतम समर्थन मूल्य, एमएसपी खत्म नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वे किसान हैं और इसलिए कह सकते हैं कि यह सरकार कभी भी किसानों का नुकसान नहीं करेगी। संसद के भीतर और बाहर सड़कों पर जारी किसानों के विरोध के बीच रविवार को देर शाम मोदी सरकार के छह बड़े मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा– राज्यसभा में जो कुछ भी हुआ है वह दुखद था। दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं जानता हूं कि सदन की कार्यवाही चलाने के लिए सत्तापक्ष की जिम्मेदारी बनती है वहीं विपक्ष की भी जिम्मेदारी बनती है। राजनाथ ने कहा– किसी भी कीमत पर एमएसपी खत्म नहीं होगी। मैं पूरी तरह से देश के

किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि एपीएमसी भी खत्म नहीं होगी। केवल निहित राजनीतिक स्वार्थ को साधने की जो कोशिश की जा रही है वह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा– मैं समझता हूं कि स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा के लिए यह अनुकूल नहीं है। प्रेस कांफ्रेंस में राजनाथ सिंह के साथ नरेंद्र सिंह तोमर, पीयूष गोयल और अन्य मंत्री मौजूद हैं। रक्षा मंत्री ने कहा– मैं मानता हूं कि यह बिल किसान और ेषि जगत के लिए जरूरी है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। किसानों के बीच गलतफहमी पैदा की जा रही है। हकीकत यह है कि दोनों बिल लागू होने के बाद हमारा किसान उसकी फसल पूरी आजादी के साथ बेच सकेगा जहां वह बेचना चाहता है। हमारी सरकार ने एमएसपी बढ़ाया है। राजनाथ ने कहा– राज्यसभा में उप सभापति के साथ जो व्यवहार हुआ है वह गलत है। रूल बुक को फाड़ना, आसंदी के ऊपर चढ़ जाना, जहां तक मैं जानता हूं, मैं कह सकता हूं कि कभी भी संसदीय इतिहास में ऐसी घटना न लोकसभा में हुई है न राज्यसभा में।

सम्पादकीय

कृषि कानून बदलने से पहले किसानों से चर्चा नहीं

कृषि संबंधी जिन तीन विधेयकों को सरकार ने पारित कराया है, उनको लेकर किसानों में भारी विरोध है। मगर केंद्र और सत्ताधारी इससे विचलित नहीं हैं। तमाम विरोध के बावजूद वो विधेयकों को पारित कराने की तरफ आगे बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पिछले सोमवार को लोक सभा में कृषि क्षेत्र से संबंधित तीन विधोयक प्रस्तुत किए थे। ये विधेयक हैं– आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधोयक, ृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधोयक और ृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और ृषि सेवा पर करार विधेयक। ये तीनों विधेयक पहले अध्यादेश की शक्ल में जून में लागू कर दिए गए थे। सरकार संसद के मानसून सत्र में अध्यादेशों को विधेयकों के रूप में ले आई। विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों के किसान इन तीनों अध्यादेशों का जून से ही विरोध कर रहे हैं। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक का उद्देश्य है अनाज, दालों, तिलहन, आलू और प्याज जैसी सब्जियों के दामों को तय करने की प्रक्रिया को बाजार के हवाले करना। बिल के आलोचकों का मानना है कि इससे सिर्फ बिचौलियों और बड़े उद्योगपतियों का फायदा होगा और छोटे और मझौले किसानों को अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाएंगे। सत्तारूढ़ बीजेपी के पंजाब में जनाधार वाले घटक दल अकाली दल ने एक सप्ताह पहले ही सरकार से तीनों विधेयकों पर पुनर्विचार करने की अपील की थी, लेकिन सरकार ने ध्यान नहीं दिया। अकाली दल ने लोक सभा में भी सरकारी पक्ष में होने के बावजूद बिल का विरोध किया। पार्टी के नेता सुखबीर सिंह बादल ने बताया कि उनके दल की नेता और कैबिनेट मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कैबिनेट में भी बिल का विरोध किया। लेकिन उनके विरोध को नजरअंदाज करते हुए सरकार बिल पर आगे बढ़ गई। उसके बाद उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। कुल मिलाकर किसान और विपक्षी राजनीतिक दल इन तीनों विधेयकों का आरंभ से ही विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि सबसे पहले तो कोविड–१९ महामारी के बीच में सरकार का कृषि क्षेत्र में इतने बड़े बदलावों को अध्यादेश के रूप में लाना सरकार की खराब मंशा को दिखाता है। उनका यह भी आरोप है कि इतने विरोध के बावजूद सरकार अध्यादेशों को कानून में बदलने से पहले भी किसानों से और उनके प्रतिनिधियों से चर्चा नहीं की गई।

थारू और वनटांगिया जनजाति के गांव बनेंगे 'राजस्व ग्राम' : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवीपाटन मंडल से पिछड़ेपन का दंश मिटाने की प्रतिबद्धता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समन्वित विकास की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि मंडल के बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में विकास की असीम संभावनाएं हैं। साथ ही सीएम योगी ने थारू और वनटांगिया जनजाति के गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिए जाने का अहम निर्देश भी दिया है।लगातार अलग–अलग मंडलों की समीक्षा बैठक कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवीपाटन मंडल के जिले बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती और बहराइच की स्थिति परखी। अपने सरकारी आवास पर आयोजित वीडियो कन्फ्रेंसिंग में सीएम योगी ने कहा कि बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर जैसे आकांक्षात्मक जिलों में विकास की बहुत संभावनाएं हैं। बौद्ध सर्किट का अहम हिस्सा होने के कारण इनका आध्यात्मिक महत्व भी है। इन जिलों में अच्छा काम हो रहा है। इन पर फोकस करते हुए समन्वित विकास की कार्ययोजना बनाई जाए। मंडल में कोरोना की स्थिति नियंत्रित होने पर संतोष जताते हुए उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग बढ़ाने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरतमंदों को रोजी–रोजगार मिले, इसके लिए जिलास्तरीय बैंकर्स कमेटी के साथ नियमित

बैठक करें। मंडल में वनटांगिया और थारू जनजाति बहुतायत में है। इन्हें शासन की सभी योजनाओं का लाभ मिले। इनके गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया जाए। योगी ने कहा कि पूर्वांचल के इस क्षेत्र की भूमि बेहद उर्वर है। भरपूर पानी और मानव संसाधन भी मौजूद है। इस नाते यहां खेतीबाड़ी के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। कुछ किसान यहां बहुत बेहतर कर रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। प्राकृतिक जलस्रोतों तालाब, कुंओं और पोखरों में पानी का संरक्षण करें। वहीं, बहराइच में केला उत्पादन का रकबा बहुत बड़ा है। यहां एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की संभावना तलाशी जाए। हर ब्लक में एफपीओ का गठन करें। गोदामों के लिए प्रस्ताव तैयार करें।मंडलायुक्त एसवीएस रंगाराव ने मंडल में जारी ५० करोड़ रुपये से ऊपर की विकास परियोजनाओं की प्रगति बताई। मंडल के सभी जिलाधिकारियों ने भी अपने जिले में चल रही १० से ५० करोड़ रुपये तक की विकास परियोजनाओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने सांसद, विधायक और मंत्रियों से फीडबैक लिया। उनकी मांगों को सुनकर कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के जरिए अपने प्रस्ताव बनवाकर शासन के संबंधित विभाग को भेजें। उसकी प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेज दें। हर प्रस्ताव पर समय से काम होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विकास का पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का है। इसकी पाई–पाई का सदुपयोग होना चाहिए। बैठक में संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और मुकुट बिहारी वर्मा भी उपस्थित थे।

ऑटो में दो किलोमीटर का देना पड़ सकता है २५ रुपये

लखनऊ। राजधानी में ऑटो से सफर करने वाले यात्रियों के लिए परेशानी वाली खबर है। ऑटो रिक्शा का किराया पहले दो किलोमीटर तक २५ रुपये। इसके अगले हर एक किलोमीटर का किराया १२ रुपये। रात में निधारित किराये का १५ फीसदी अतिरिक्त किराया और वेटिंग चार्ज दो रुपये प्रति मिनट होगा। लखनऊ ऑटो रिक्शा थ्री व्हीलर संघ ने नए किराये का प्रस्ताव बनाकर एसटीए सचिव और परिवहन आयुक्त को भेजा है। बता दें कि ६ अक्टूबर को राज्य परिवहन प्राधिकरण की बैठक है। इस बैठक में ऑटो संघ ने किराया बढ़ाने का प्रस्ताव रखे जाने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष पंकज दीक्षित बताते हैं कि वर्ष २०१४ के बाद से ऑटो का किराया नहीं बढ़ाया गया। जबकि बीते छह वर्षों के दौरान सीएनजी और अन्य खर्चों में कई गुना बढ़ोतरी हो चुकी है।

एक के बाद एक तीन घरों में लाखों की चोरी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के तीन घरों में शुक्रवार रात चोरों ने धावा बोला। लाखों रुपये की नकदी, जेवर समेत अन्य सामान चोरी करके चोर आसानी से भाग निकले। सूचना पर पुलिस ने डॉग स्क्वायड टीम के साथ मौके का मुआयना किया, लेकिन चोरों का कुछ पता न चल सका। पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर उनकी तलाश कर रही है। मामला इटौंजा थाना इलाके के हरदा कॉलोनी का है। यहां के निवासी किसान कोमल परिवार के साथ सो रहे थे। घर के पीछे की दीवार के सहारे चोर छत पर चढ़ गए। फिर जीने के रास्ते घर के अंदर प्रवेश कर गये। घर का कमरा खुला देखकर आलमारी का लॉकर तोड़कर ५५ हजार रुपए व ३ लाख ५० हजार के सोने–चांदी

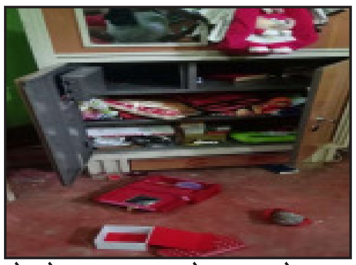

के जेवरात उड़ा ले गए। जेवरात में सोने का हार, मंगलसूत्र, झुमकी, नथुनी भी थी। इसके बाद चोरों ने गांव के किसान राम कुमार के घर से एक लाख २० हजार रुपए चोरी कर लिये। उनके घर का प्लास्टर का कार्य होना था। इसीलिए रुपए रखे थे। इस चोरी के बाद भी चोरों ने इसी गांव के लल्लू के घर को भी निशाना बनाया। यहां से भी जेवरात पार कर दिए। सुबह जब घर के लोग उठे तो घर का सारा सामान बिखरा देख उन्हें चोरी की जानकारी हुई। इटौंजा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में पुलिस के प्रति आक्रोश है। उन्होंने पुलिस पर रात्रि गस्त न करने का आरोप लगाया। इटौंजा थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि गस्त कराई जा रही है। सभी चोरियों की रिपोर्ट दर्ज चोरों की तलाश की जा रही है।

योगी को भेजे पत्र में गलत तथ्य से प्रियंका की किरकिरी

लखनऊ। प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के गलत जवाब के बहुतेरे मामले सामने आते रहे हैं। इस परिपाटी को सियासत ने भी अपना लिया है। सरकार को घेरने के लिए राजनीति के बड़े चेहरे तथ्यों को तोड़ने–मरोड़ने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस की महाचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने शिक्षक भर्ती के बहाने योगी सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी शासन की १२४६० शिक्षक भर्ती में शून्य पद वाले जिलों के अभ्यर्थियों का दर्द बयां करते हुए उन्होंने मनगढ़ंत बातें लिख डाली। जिस भर्ती में शैक्षिक मेरिट से चयन हुआ उसकी परीक्षा होने व अभ्यर्थियों को अच्छे अंक मिलने तक का दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र के वायरल होने पर उसे पढ़कर प्रतियोगी भी हैरान हैं। पांच माह में यह दूसरा प्रकरण है, जिसमें प्रियंका वाड्रा के दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। मई माह में कोरोना आपदा प्रभावित मजदूरों को एक हजार बसें मुहैया कराने के नाम पर उन्होंने सरकार को जो सूची सौंपी उसमें उसमें ट्राली, आटो, स्कूटर आदि के नंबर दर्ज थे।उत्तर प्रदेश योगी सरकार के सत्ता में आने के पहले ही १२४६० भर्ती की पहले काउंसिलिंग हो चुकी थी। सरकार ने २३ मार्च २०१७ को चयन पर रोक लगाई थी। अभ्यर्थियों की मांग पर सीएम ने १६ अप्रैल, २०१८ को ५१ जिलों में करीब पांच हजार नियुक्ति पत्र वितरित कराए। शून्य पद वाले जिलों के अभ्यर्थियों के चयन पर कोर्ट की रोक थी। जिला वरीयता के विवाद को देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया कि आगे की सहायक अध्यापक भर्तियों में जिला वरीयता नहीं होगी। यह था मामला रू उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक स्कूलों की १२४६० शिक्षक भर्ती दिसंबर २०१६ में शुरू हुई थी। प्रदेश के ५१ जिलों में पद रिक्त थे, जबकि २४ जिलों में पद नहीं थे। आवेदन शुरू होने पर २४ जिलों के अभ्यर्थियों की मांग पर तत्कालीन बेसिक शिक्षा परिषद सचिव ने आदेश दिया कि पद शून्य वाले जिलों के अभ्यर्थी किसी भी जिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। दूसरे जिलों के अभ्यर्थी शैक्षिक मेरिट में ऊपर आए जिससे ५१ जिलों के कम मेरिट वाले अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो रहा था। वे अभ्यर्थी कोर्ट पहुंचे और जिला वरीयता को चुनौती दी। ज्ञात हो कि तब चयन की नियमावली में जिला वरीयता का प्रावधान था। कोर्ट ने भर्ती को रद करके जिला वरीयता के आधार पर चयन का निर्देश दिया। दो जजों की पीठ ने इस पर रोक लगा दी। अब यह प्रकरण शीर्ष कोर्ट में विचाराधीन है।

सौ करोड़ से अधिक का घपला करने वालों पर उत्तर प्रदेश एसटीएफ का शिंकजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सौ करोड़ से अधिक का घपला करने वालों पर उत्तर प्रदेश एसटीएफ का शिंकजा लगातार कसता जा रहा है। प्रदेश में पशुपालन घोटाले में सात लोगों की गिरफ्तारी तथा दो आइपीएस अफसरों के निलंबन के बाद शनिवार को इसी घोटाले से जुड़ा जालसाज भी गिरफ्त में आ गया। इसी के साथ गरीबों को बड़ा लाभ दिलाने के एवज में उनके करोड़ों रुपया का वारा–न्यारा करने वाला हरिओम यादव उत्तर प्रदेश एसटीएफ की पकड़ में आ गया है।लखनऊ में पशुपालन विभाग में टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों के घोटाले में एसटीएफ ने एक और गिरफ्तारी की है। एसटीएफ ने खुद को पत्रकार बताने वाले संतोष मिश्रा को गिरफ्तार किया है। करोड़ों के टेंडर घपलेबाजी में अन्य शातिरों के साथ शामिल जालसाज संतोष मिश्रा फरार चल रहा था। यूपी एसटीएफ ने पत्रकार बनकर घोटाले में शामिल जालसाज संतोष मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। संतोष मिश्रा खुद को न्यूज चौनल का पत्रकार बताता था। आशीष राय के साथ मिलकर संतोष मिश्रा ने पशुपालन विभाग के करोड़ों के टेंडर में हुई घपलेबाजी में बड़ी भूमिका निभाई थी।अलास्का रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड, अलास्का कमोडिटीज व अलास्का इंटर प्राइजेज के माध्यम से ६० प्रतिशत प्रतिवर्ष लाभ देने का प्रलोभन देकर सैकड़ों लोगों से करीब ६० करोड़ रूपये जमा करवाने के बाद उसको हड़पने वाले गिरोह के सरगना हरिओम यादव को आज एसटीएफ ने लखनऊ से गिरफ्तार किया। हरिओम यादव पुत्र राम सिंह यादव निवासी ग्राम सकटू का पुरवा, सदरपुर करोरा, थाना गोसाईंगंज, जिला लखनऊ के पास से एसटीएफ को गिरफ्तारी के समय तीन मोबाइल फोन, पांच चेकबुक, एक पास बुक, एक अदद आधार कार्ड, एक लैपटाप तथा ७०० रुपया नकद मिला।उसको एसटीएफ ने ग्राम चांदपुर सराय सुल्तानपुर रोड, थाना क्षेत्र गोसाईगंज से पकड़ा है। हरिओम यादव मल्टीलेवल मार्केटिंग के माध्यम से जनता से करोड़ों रूपये की ठगी करने वाले गिरोह का सरगना है। उसने करीब छह सौ से लोगों से करीब ६० करोड़ रुपया हड़पा है। उसके खिलाफ यहां के थाना गोसाईगंज में केस दर्ज है। इसके गैंग के नौ सदस्यों को पुलिस ने १५ सितंबर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सरगना हरिओम की तलाश थी। हरिओम यादव ने बताया गया कि २००० मैने गोसाईगंज चौराहे पर मिठाई की दुकान खोली, परन्तु लाभ न होने के कारण बन्द हो गयी। जिसके पश्चात २००३ में सुपर पैथालाजी गोसाईगंज में ३५०० प्रति माह की नौकरी कर

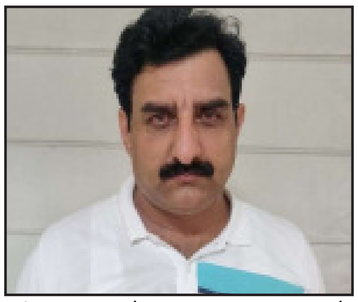

ली। इसके बाद २०१० में आइसीआइसीआइ बैंक सिविल हास्पिटल लखनऊ में सेल्स एडवाइजर के पद पर ज्वाइंन किया। २०१६ में नौकरी छोड़कर अथर्व इन्फ्रा रियल स्टेट कम्पनी व किसानों की जमीन को कमीशन पर बेचने का काम शुरू किया। २०१८ में अलास्का रियल स्टेट प्रालि, अलास्का कमोडिटीज व अलास्का इंटर प्राइजेज के नाम से विभिन्न कम्पनिय बनाईं। कम्पनियों के आफिस गोसाईगंज लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई व एफजेडई दुबई में खोले। इन कम्पनियों में इनवेस्ट करने पर ६० प्रतिशत वाष्घक की दर से लाभ देने का प्रलोभन देकर इन कम्पनियों में लगभग ६० करोड़ रूपये जमा कराये। छह फरवरी कोॅष्णानगर जनपद लखनऊ थाना अन्तर्गत मेरा ०५ करोड़ रूपये (ब्लैक मनी) पकडा गया, जिस कारण मार्च २०१६ में थाना कृष्णा नगर जनपद लखनऊ पुलिस ने मुझे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ४० दिन बाद जब मै जमानत पर छूट कर आया तो लोगों ने अपना रूपया वापस मांगा।कम्पनी में इनवेस्ट करने वालों का औसत भी घटने लगा। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) इनकम टैक्स (आयकर विभाग) आदि विभागों ने मेरी कम्पनियों/ इनकम की जांच की। मैंने निवेशकों का रूपया वापस करना बंद कर दिया था, जिसके कारण महेश कुमार यादव ने मेरे खिलाफ केस दर्ज कराया। महेश कुमार यादव ने ७१.०४ लाख रुपया मेरी कंपनी में निवेश किया है। सरफराज ६० लाख, मुशीर अहमद ४५ लाख, अमित सिंह ३५ लाख, बीबी सिंह ४८ लाख, आरबी सिंह २२ लाख, मनोज वर्मा १३ लाख, राज कुमार सिंह १२ लाख, कन्हैया लाल १० लाख, सुरेश शर्मा १० लाख, बाबू राम नौ लाख आदि करीब ६०० निवेशकों ने निवेश किया था।हरिओम ने बताया कि मैं महीने में एक बार दुबई जाता था। निवेशकों को लगता था कि कम्पनी का व्यापार दुबई में चल रहा है और लाभ का रूपया कम्पनी उनको समय पर देती रहेगी। ६० प्रतिशत वाष्घक लाभ के प्रलोभन में आकर निवेशकों ने कम्पनी में भारी निवेश किया। हरिओम ने बताया कि मेरे साथ मुख्य रूप से ललित चौधरी, सुभाष चन्द्र यादव, शैलेन्द्र कश्यप, राकेश कुमार यादव, अवधेश कुमार मिश्रा, नन्द किशोर यादव, गजल देव सिंह, सुरेन्द्र कुमार यादव, रूपाली गुप्ता, ब्रजेन्द्र श्रीवास्तव, आशीष वर्मा आदि शामिल थे। जब मेरा पांच करोड रूपया थानाॅष्णा नगर पुलिस ने पकड़ा था, तब पुलिसध्प्रशासन को मैनेज करने के नाम पर संतोष मिश्रा कथित न्यूज चौनल के मालिक, (डायरेक्टर) को मैने १. २५ करोड रूपये दिया था। संतोष मिश्रा शासन व प्रशासन मे पत्रकारिता का रौब दिखाकर दलाली का काम करता था, यह पशुधन घोटाला करने वाले आशीष राय का भी शरणदाता था।

UP में सबसे खूबसूरत फिल्म सिटी बनाने की घोषणा पर CM की तारीफ, कंगना रनोट ने किया ट्वीट

लखनऊ। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद मुम्बई में मचे घमासान के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में देश की सबसे बड़ी और खूबसूरत फिल्म सिटी बनाने की घोषणा करके बड़ा तहलका मचा दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के इस कदम की जोरदार सराहना हो रही है। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनोट के साथ ही लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी तथा गीतकार मनोज मुंतशिर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कदम को बेहद सराहनीय बताया है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अधिकारियों को प्रदेश में देश की सबसे खूबसूरत फिल्म सिटी बनाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। जिसका फिल्म अभिनेत्री कंगना रनोट ने स्वागत किया है। इस बाबत कंगना के एक ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ की घोषणाओं की मैं सराहना करती हूं। कंगना ने लिखा है कि लोगों की धारणा है कि भारत में सर्वश्रेष्ठ फिल्म उद्योग हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है। यह गलत है। तेलुगु फिल्म उद्योग ने खुद को शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है।अब वो पूरे भारत में कई भाषाओं में फिल्मों को पहुंचा रहे हैं। कई हिंदी फिल्मों की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी में की गई है। मैं सीएम योगी आदित्यनाथ की घोषणाओं की सराहना करती हूं। हमें फिल्म उद्योग में कई सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें एक बड़े फिल्म उद्योग की आवश्यकता है, जिसे भारतीय फिल्म उद्योग कहा जाता है। हम कई कारणों से विभाजित हैं, हलीवुड फिल्मों को इसका लाभ मिलता है। एक इंडस्ट्री, लेकिन कई फिल्म सिटी।लोकगायिका पदमश्री मालिनी अवस्थी ने भी सीएम योगी आदित्यनाथ की इस पहल पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पहले इसकी योजना बननी प्रारंभ हुई थी और आदरणीय मुख्यमंत्री ने

इस दिशा में रुचि दिखाई,। फिर इस बाबत मेरी फिल्म निर्माता–निर्देशक सुभाष घई, अभिनेता विवेक ओबेराय तथा गीतकार मनोज मुंतशिर से चर्चा हुई, आज इसकी औपचारिक घोषणा होते देखना सुखद है।उत्तर प्रदेश में देश की सबसे बड़ी और सुंदर फिल्म सिटी के निर्माण होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ जी को इस सामयिक शानदार निर्णय के लिए साधुवाद। उत्तरप्रदेश हिंदी भाषा का उदगम है, कला–साहित्य–संगीत के गुणीजनों की उर्वराभूमि है। रोजगार सृजन की दृष्टि से यह अत्यंत उपयोगी प्रयास होगा।कवि, गीतकार तथा फिल्म पटकथा लेखक मनोज मुंतशिर ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि उत्तर प्रदेश और सभी हिंदी भाषी राज्यों के कलाकारों के लिए यह शुभ सूचना है।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ की हिरासत में बाहुबली अतीक अहमद का छोटा बेटा अली अहमद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में इन दिनों बाहुबलियों पर पुलिस तथा उत्तर प्रदेश एसटीएफ का शिकंजा कसा है। प्रयागराज में पूर्व सांसद अतीक अहमद तो मऊ, गाजीपुर व लखनऊ में दबंग विधायक मुख्तार अंसारी से सभी अवैध निर्माण को जमींदोज किया जा रहा है।एसटीएफ मेरठ टीम ने शनिवार को अतीक अहमद के छोटे बेटे अली को नौचंदी से पकड़ लिया है। उससे उमर के बारे में पूछताछ की जा रही है। प्रयागराज में अब से करीब चार वर्ष पहले मामा के निकाह में करीब १२ राउंड फायरिंग करने वाले अली अहमद को आज एसएटीएफ ने हिरासत में लिया है।अली अहमद तथा उमर अहमद प्रयागराज के फूलपुर से समाजवादी पार्टी से सांसद रहे अतीक अहमद के पुत्र हैं।अली अपने फूफा के घर मिलने आया था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अली का भाई दो लाख की इनाम उमर आया है। छापामारी के दौरान उमर का कोई पता नहीं चल पाया है। अली को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। दो साल पहले प्रपर्टी डीलर मोहित जायसवाल को अगवा कर जेल में बुलाकर पिटाई के मामले में उमर वांछित चल रहा है।लखनऊ के प्रापर्टी डीलर मोहित जायसवाल को २०१८ में गोमतीनगर उनके अफिस से अगवा कर देवरिया जिला जेल ले जाया गया था। जहां बाहुबली अतीक अहमद ने अपने बेटे उमर, गुर्गे गुरफान, फारूख, गुलाम व इरफान के साथ जेल की बैरक प्रापर्टी डीलर की पिटाई करते

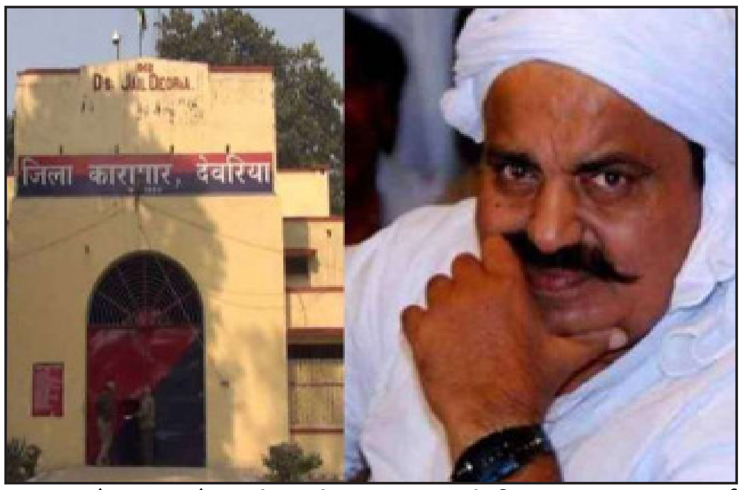

हुए उससे ४५ करोड़ की जमीन अपने नाम पर लिखवा ली। उसकी एसयूवी गाड़ी भी अतीक अहमद के गुर्गो ने लूट ली।बाहुबली के चंगुल से छूट कर किसी तरह लखनऊ पहुंचे मोहित ने आला अधिकारियों को वारदात की जानकारी दी। तभी पुलिस ने अतीक अहमद के गुर्गे इरफान और गुलाम को गिरफ्तार कर लिया था। अतीक अहमद का स्थानांतरण गुजरात जेल में कर दिया था। सीबीआइ ने अतीक के बेटे उमर पर दो लाख का इनाम घोषित कर दिया। तब से उमर के पीछे यूपी पुलिस के अलावा एसटीएफ और एसटीएफ भी लगी हुई है। शनिवार को मेरठ एसटीएफ को उमर के नौचंदी के भवानी नगर में अपने फूफा के घर होने की सूचना मिली। एसटीएफ की टीम ने छापा रहा, जहां पर एसटीएफ की टीम को उमर नहीं मिल पाया। उसका भाई अली मिला था। अली को एसटीएफ ने अपने पुलिस लाइन स्थित अफिस में लाकर पूछताछ की। उसके बाद परिवार के सुपुर्द कर दिया।डिप्टी एसपी एसटीएफ, ब्रिजेश सिंह ने बताया कि उमर की तलाश में भवानी नगर कालोनी में छापा मारा गया था। उमर तो नहीं मिला उसका छोटा भाई अली मिला। अली से उमर के बारे में जानकारी जुटाई गई । अली को परिवार के सुपुर्द कर दिया। साथ ही उमर की तलाश में एसटीएफ की टीम काम कर रही है।

कोरोना को मात देने के बाद संसद की कार्यवाही में भाग लेंगे अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में सभा पटल पर पत्र रखेंगे और विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक, २०२० सहित दो अन्य विधेयक सदन में पेश करेंगे। निचले सदन की पुनरीक्षित कार्य सूची में इसका खुलासा किया गया। कोरोनो वायरस या कोविड–१९ महामारी को मात देने के बाद संसद के मानसून सत्र के दौरान यह उनकी पहली उपस्थिति होगी। पिछले महीने वह कोरोना से संक्रमित हो गए थे। मंत्री के सदन की कार्यवाही में शामिल होने की उम्मीद है जब अपराह्न ३ बजे इसकी कार्यवाही शुरू होगी। वह अपने दो कनिष्ठ मंत्रियों नित्यानंद राय और जी किशन रेड्डी के साथ उपस्थित होंगे। निचले सदन की कार्यसूची में इसका जिक्र किया गया है। सदन की

कामकाज की सूची के अनुसार, अमित शाह गृह मंत्रालय के लिए सभा पटल पर पत्र रखेंगे और फिर वह विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक, २०२० को प्रस्तावित करेंगे जो विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, २०१० में संशोधन की मांग करता है। शाह नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी बिल, २०२० को भी सदन में विचार और पारित कराने के लिए प्रस्तावित करेंगे। यह राष्ट्रीय विधि विज्ञान विश्वविद्यालय के नाम से ज्ञात एक संस्था को अध्ययन और अनुसंधान के मामले में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बनाने और संवर्धन करने के बारे में है। गृह मंत्री राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक, २०२० को भी प्रस्तावित करेंगे। यह राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के रूप में ज्ञात संस्था को राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में घोषित करने और उसके निगमन के बारे में है।

स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर निशाना साधा

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मनाए जा रहे सेवा सप्ताह में शनिवार को व्याख्यान माला की दूसरी कड़ी में उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जातिवाद व वंशवाद पर चोट से इसकी राजनीतिक विषबेल सूख रही है, जिससे विपक्ष में बौखलाहट है। अवध और कानपुर क्षेत्र के डिजिटल माध्यम से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ और भाजपा के विस्तार के लिए वर्षों काम किया। मोदी सरकार गरीबों के पास तक पहुंच रही है, जबकि पिछली सरकारों में गरीब सरकार के पीछे दौड़ते थे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का अपना कोई परिवार नहीं, बल्कि देश की १३० करोड़ जनता ही उनका परिवार है बनवासी कल्याण आश्रम में किए काम गिनाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सेवा कार्यों को राजनीति का माध्यम बनाने के शुरू से ही पक्षधर रहे हैं। पदमश्री

डॉ.रजनीकांत द्विवेदी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सोमनाथ की धरती से निकल कर आए और काशी में अपना कार्यक्षेत्र बनाया। मोदी देश में घटने वाली छोटी–छोटी घटनाओं पर भी दृष्टि रखते हैं। संयम और धैर्य दोनों ही उनके आचरण में हैं। व्याख्यान माला में अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा ने अतिथियों का परिचय कराया तथा कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह ने आभार ज्ञापित किया। प्रदेश मंत्री देवेश कुमार ने संचालन किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित सेवा सप्ताह के अंतिम दिन रविवार को व्याख्यान माला के तृतीय सोपान में न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय तथा पेटीएम के वाइस प्रेसिडेंट अजय शेखर शर्मा डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। शाम चार बजे काशी व गोरखपुर क्षेत्र के लोगों के लिए यह संबोधन कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में होगा। मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने बताया कि इसके अलावा प्रधानमंत्री के जीवन परिचय को दर्शाती स्लाइड को प्रत्येक जिले में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शनिवार को किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ७० हजार से अधिक पौधों का रोपण किया।

बेखौफ बदमाशों ने सनसनीखेज वारदात को दिया अंजाम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार रात बेखौफ बदमाशों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। मेडिकल स्टोर संचालक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। घटना के समय संचालक अपने मेडिकल स्टोर पर बैठे थे। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आरोप है कि व्यापारी को उसी के परिचित ने गोली मारी है। पुलिस हमलावर के बारे में पता लगा रही है। हालांकि, उसका सुराग नहीं लग सका है। घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। वहीं, पुलिस पर भी सवाल उठने लगे हैं। घटना की जानकारी पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस की टीमें बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही हैं। मामला खदरा इलाके का है। यहां दीनदयालनगर हसनगंज निवासी आशुतोष त्रिवेदी (२६) की काव्या मेडिकल स्टोर के नाम से दुकान है। शनिवार रात आशुतोष दुकान पर थे। इस बीच अज्ञात बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली चलने की आवाज से आस पास की दुकानों में बैठे लोगों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने दुकान में देखा तो आशुतोष खून से लथपथ हालत में पड़े थे। इस बीच आशुतोष के पिता रमेश चंद्र त्रिवेदी भी पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और आस पड़ोस के लोगों की मदद से बेटे को ट्रामा लेकर पहुंचे। ट्रामा में डक्टरों ने आशुतोष को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर इंस्पेक्टर हसनगंज अमरनाथ वर्मा और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने छानबीन शुरू की पर बदमाशों का कोई सुराग उनके हाथ नहीं लगा। इंस्पेक्टर ने बताया कि पारिवारिक रंजिश समेत कई बिंदुओं पर मामले की जांच की जा रही है।मृतक आशुतोष के पिता ने उसके दोस्त जय सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि जय सिंह का कुछ दिन पहले आशुतोष से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। शनिवार को आशुतोष दुकान में बैठा था। इस दौरान जय सिंह भी वहां पहुंच गया। इसी दौरान दोनों में कहासुनी हो गई और जय सिंह ने आशुतोष को गोली मार दी। पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय के मुताबिक, आशुतोष और जय सिंह दोस्त थे। जय सिंह की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हत्या का कारण पता लगाया जा रहा है।

कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली। कृषि से जुड़े दो विधेयकों का कांग्रेस ने राज्यसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह विरोध किया और सरकार पर हमला किया। राहुल गांधी ने ट्विट करके सरकार पर हमला किया और इस बिल को किसान विरोधी बताया। सदन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की बातों का जवाब दिया। नड्डा ने बिल पर चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि वह एपीएमसी एक्ट को खत्म करेगी और अब जब सरकार उसमें बदलाव कर रही है तो कांग्रेस राजनीतिक मकसद से उसका विरोध कर रही है। उप सभापति की कार्यवाही का समर्थन करने के लिए भी कांग्रेस ने सरकार का विरोध किया। इसका जवाब देते हुए अहमद पटेल ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादे से इस बिल की तुलना करना घोड़े से गधे की तुलना करना है। उनकी इस बात का भाजपा सांसदों ने विरोध भी किया। अहमद पटेल ने अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस ने घोषणापत्र में किसानों को पांच तरह की सुरक्षा देने का वादा करके एपीएमसी एक्ट को बदलने की बात कही थी। उन्होंने न्याय योजना का भी जिक्र किया, जिसके तहत २० करोड़ लोगों को ७२ हजार रुपए हर साल देने का वादा किया गया था। कांग्रेस के दूसरे वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बिल का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने सदन की कार्यवाही और उप सभापति

के व्यवहार को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को बिना मतदान के हंगामे के बीच पारित करवाने की क्या जल्दी थी? रमेश ने इस बिल के पास होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के ट्विट का मजाक उड़ाया। एमएसजी जारी रहने वाले मोदी के ट्विट को रीट्विट करते हुए उन्होंने लिखा– यह एक ऐसे व्यक्ति से जिसका आदर्श वाक्य अस्तमेव जयते है, ये प्रावधान जबरन थोपे गए विधेयकों में क्यों नहीं थे? राज्यों और किसानों से परामर्श क्यों नहीं किया गया? जब किसान विरोध कर रहे हैं तो लाभ पाने के लिए कौन खड़ा है?

किसानों को पूंजीपतियों का 'गुलाम बना' रहे हैं मोदी : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केंद्र सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं चूकते हैं और उन्होंने किसान संबंधी विधेयकों को लेकर हमला बोलते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को पूँजीपतियों का 'गुलाम' बना रहे हैं जिसे देश कभी सफल नहीं होने देगा। कांग्रेस कृषि से जुड़े तीन विधेयकों को लेकर हमलावर बनी हुई है। यह विधेयक लोकसभा में पारित हो चुके हैं और इन्हें आज राज्यसभा में पेश किया गया है। वायनाड से सांसद कांग्रेस नेता ने आज ट्वीट कर कहा, मोदी सरकार के कृषि–विरोधी 'काले कानून' से किसानों को कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी) किसान मार्केट खत्म होने पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (

एमएसपी) कैसे मिलेगा और एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं? मोदी जी किसानों को पूँजीपतियों का 'गुलाम' बना रहे हैं जिसे देश कभी सफल नहीं होने देगा।

कांग्रेस संगठन के मुद्दों पर कल करेगी चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद के चल रहे मानसून सत्र के बीच संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए कल महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक बुलाई है। यह बैठक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की गैरमौजूदगी में होगी। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने सभी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों को पत्र भेजकर इस बैठक में शामिल होने और संगठन से जुड़े मसलों पर कांग्रेस अध्यक्ष को सहयोग देने का अनुरोध किया है। बैठक यहां पार्टी मुख्यालय में सोमवार को शाम ४ बजे से होगी।

चीन के लिए जासूसी के आरोप में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि चीन के लिए जासूसी के आरोप में एक स्वतंत्र पत्रकार, एक चीनी महिला और एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। इनके ऊपर चीन की इंटेलिजेंस को खुफिया जानकारी देने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि ये जानकारियां सीमा पर की रणनीति और रक्षा से जुड़ी हैं। दिल्ली पुलिस ने राजीव शर्मा को सरकारी गोपनीयता कानून के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि राजीव के पास से रक्षा से जुड़े कुछ बेहद गोपनीय दस्तावेज बरामद किए हैं। राजीव को इसके बदले फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा दिया जाता था। पुलिस ने बताया कि राजीव २०१६ से चीनी इंटेलिजेंस के लिए काम करता था। एक इनपुट के लिए ७३,६१० रुपए यानी एक हजार डॉलर मिलते थे। पुलिस ने बताया कि स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा को डेढ़ साल में करीब ४० लाख रुपए मिले थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने राजीव शर्मा को १४ सितंबर को सेंट्रल इंटेलिजेंस के इनपुट के आधार पर गिरफ्तार किया था, उसे अगले ही दिन अदालत के सामने पेश किया गया था। अदालत ने उसे छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार पत्रकार के पास से क्लासिफाइड रक्षा दस्तावेज के अलावा लैपटप, मोबाइल फोन भी जब्त किया था। उसके सीडीआर को भी स्कैन किया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसके संपर्क में था। स्पेशल सेल के डीसीपी संजीव कुमार यादव ने बताया कि शर्मा कुछ भारतीय मीडिया समूहों के साथ–साथ चीन के ग्लोबल टाइम्स के लिए भी रक्षा संबंधी मुद्दों पर लिखता था।

मोदी २६ सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र संघ की ७५वीं वर्षगांठ के मौक पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की सालाना बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २६ सितंबर को संबोधित करेंगे। कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से इस बार महासभा का सत्र वर्चुअल तरीके से आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वर्चुअल तरीके से ही महासभा को संबोधित करेंगे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र की ७५वीं वर्षगांठ के मौके पर उच्चस्तरीय सम्मेलन और महासभा को संबोधित करेंगे। सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश के बाद मोदी का इस बार का भाषण खासतौर से महत्वपूर्ण होने वाले हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का सालाना सत्र २१ सितंबर को शुरू होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक मौके पर संयुक्त राष्ट्र के १६३ सदस्य देश कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। तिरुमूर्ति ने कहा– प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करेंगे और वे खासतौर से भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रवेश के बाद जिस नजरिए को रेखांकित करेंगे, वह काफी महत्वपूर्ण होगा।' मोदी पहले से रिकर्ड किए गए वीडियो बयान के जरिए विशेष कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। महासभा में परिचर्चा २२ सितंबर से शुरू होगी और २६ सितंबर तक चलेगी। मोदी २६ सितंबर को सभा को संबोधित करेंगे। गौरतलब है कि भारत को दो साल के लिए संयुक्त राष्ट्र की शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया है। इसके बाद इन दो उच्चस्तरीय सभाओं में मोदी जिस ष्टिकोण को रेखांकित करेंगे, उस पर सभी की करीबी निगाह होगी। सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का कार्यकाल एक जनवरी २०२१ से शुरू होगा। संयुक्त राष्ट्र के ७५ साल के इतिहास में पहली बार ऐसे होगा जब सदस्य देशों के शासनाध्यक्ष और राष्ट्राध्यक्ष महासभा के लिये न्यूयर्क नहीं आ पाएंगे।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर चिदंबरम की सफाई

नई दिल्ली। कृषि संबंधी तीनविधेयकों को लेकर कांग्रेस पर हो रहे हमले के जवाब पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को दिया। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र में एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी, एपीएमसी एक्ट को खत्म करने के वादे को भाजपा के नेता तोड़–मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्रियों का आरोप है कि कांग्रेस ने एपीएमसी एक्ट को खत्म करने का वादा किया था और अब जबकि भाजपा सरकार ने इसे खत्म कर दिया तो वह इसका विरोध कर रही है। चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने किसानों की जीविका को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने करपोरेट जगत के सामने समर्पण कर दिया है। चिदंबरम ने कृषि संबंधी विधेयकों के खिलाफ सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि हर पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किसानों के साथ है या फिर किसानों की जीविका को खतरे में डाल रही भारतीय जनता पार्टी के साथ है। पूर्व वित्त मंत्री ने एक बयान में कहा– भाजपा अपने खुद के बनाए हुए जाल में फंस गई है। दशकों से यह व्यापारियों के वर्चस्व वाली पार्टी रही है। इसने वस्तुओं और सेवाओं के अभाव वाली अर्थव्यवस्था का दोहन किया गया। उन्होंने कहा– इंदिरा गांधी द्वारा हरित क्रांति लाने और पीवी नरसिंह राव व मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए उदारीकरण के बाद हालात बदलने लगे। चिदंबरम ने कहा– आज हमारे यहां गेहूं और चावल जैसी उपज अधिक मात्रा में पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा– किसानों की ताकत की बुनियाद पर कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा प्रणाली बनाई, जिसके बाद २०१३ में खाद्य सुरक्षा कानून बना। हमारी खाद्य सुरक्षा प्रणाली के तीन स्तंभ– न्यूनतम समर्थन मूल्य, सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था हैं। चिदंबरम ने कहा– कांग्रेस ने २०१६ में इन्हीं सिद्धांत के आधार पर घोषणापत्र तैयार किया था। प्रधानमंत्री और भाजपा के प्रवक्ता ने कांग्रेस के घोषणापत्र को जान बूझकर तोड़–मरोड़कर पेश किया है।

युवाओं को नौकरी के लिए प्रियंका गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

कांग्रेस महासचिव और पूर्वी उत्त्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी गांधी वाड्रा ने १२४६० शिक्षक भर्ती में शून्य जनपद के कारण नियुक्ति से वंचित अभ्यर्थियों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। कहा है कि इससे युवा बहुत हताश और परेशान हैं। बेरोजगार युवा कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। इससे पूर्व भी प्रियंका का सीएम को राजस्थान से प्रवासियों को बुलाने के लिए बसें उपलब्ध कराने का पत्र भी चर्चा में रहा है।उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया है कि मानवीय संवेदनाओं को देखते हुए और युवाओं के रोजगार के हक का सम्मान करते हुए २४ शून्य जनपद के अभ्यर्थियों की तत्काल नियुक्ति करें। गत १७ सितंबर को नियुक्ति से वंचित अभ्यर्थियों से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीडियो कन्फ्रेसिंग के माध्यम से बात किया था। उन्होंने अभ्यर्थियों से वादा किया था कि वह उनकी हर संभव मदद करेंगी। इस क्रम में उन्होंने शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर तत्काल नियुक्ति देने की मांग की है। कांग्रेस के लेटर पैड पर जारी यह पत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। मुख्यमंत्री महोदय, उम्मीद करती हूं कि आप बेहतर होंगे और आपकी सेहत अच्छी होगी। आज मैं आपको उप्र के बेरोजगार युवाओं, जो कुछ समय से पूरे प्रदेश में आंदोलनरत हैं, की समस्याओं के विषय में पत्र लिख रही हूं। उप्र का युवा बहुत परेशान और हताश है। कुछ दिनों पहले ही मैने १२,४६० शिक्षक भर्ती

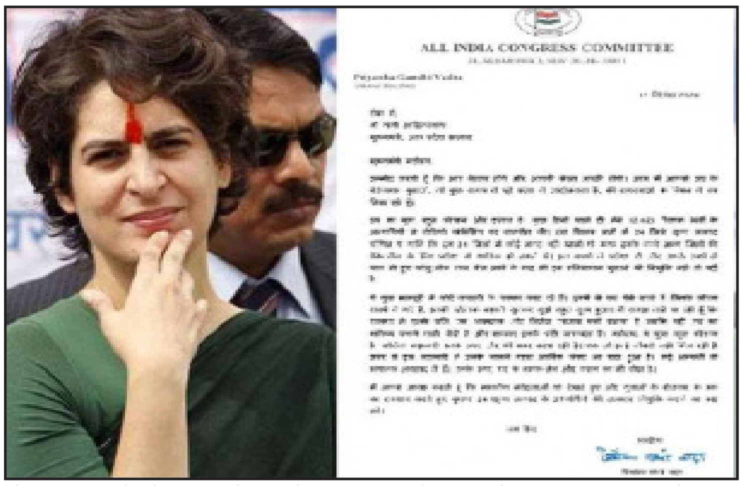

के अभ्यर्थियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बातचीत की। इस शिक्षक भर्ती में २४ जिले शून्य जनपद घाषेषित थे। यानि कि इस २४ जिलों में कोई जगह नहीं खाली थी मगर इनके बच्चे अन्य जिलों की बैकेंसीज के लिए परीक्षा में शामिल हो सकते थे। इन बच्चों ने परीक्षा दी और अच्छे अंकों से पास भी हुए परंतु तीन साल बीत जाने के बाद भी इन प्रतिभावन युवाओं की नियुक्ति नहीं हो पायी है। ये युवा मजबूरी में कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इनमें से कई ऐसे बच्चे हैं जिनके जीवन संघर्ष से भरे हैं, इनकी दर्दनाक कहानी सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि सरकार ने इनके प्रति एक आक्रामक और निर्मम स्वभाव क्यों बनाया है। जबकि यही उप्र का भविष्य बनाने वाली पीढी है और सरकार इनके प्रति जवाबदेह है। महोदय, ये युवा बहुत परेशान हैं। कोरोना महामारी इनके ऊपर और भी कहर बरपा रही है। एक तो इन्हें नौकरी नहीं मिल रही है ऊपर से इस महामारी में उनके सामने गहरा आर्थिक संकट आ खड़ा हुआ है। कई अभ्यर्थी तो भनक अवसाद में हैं। उनके ऊपर घर के नमक तेल और राशन का भी बोझ है। मैं आपसे आग्रह करती हूं कि मानवीय संवेदनाओं को देखते हुए और युवाओं के रोजगार के हक का सम्मान करते हुए कृपया २४ शून्य जनपद के अभ्यर्थियों की तत्काल नियुक्ति कराने का कष्ट करें।

अगले हफ्ते खत्म हो सकता है संसद सत्र

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की वजह से संसद के मनसून सत्र को समय से पहले ही खत्म करने पर विचार किया जा रहा है। बताय जा रहा है कि सत्र अगले हफ्ते मंगलवार या बुधवार को खत्म किया जा सकता है। सरकार अगले तीन दिन में सारे सरकारी कामकाज निपटा सकती है। गौरतलब है कि सत्र शुरू होने के बाद दो केंद्रीय मंत्री संक्रमित हुए हैं और अब तक ३० सांसदों के संक्रमित होने की खबर है। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम को लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक हुई, जिसमें संसद सत्र को समय से पहले खत्म करने पर चर्चा हुई और इस पर सहमति भी बन गई है। गौरतलब है कि यह सत्र १४ सितंबर से शुरू हुआ था और एक अक्टूबर तक चलने वाला है। पिछला सत्र भी कोरोना की वजह से समय से पहले ही खत्म कर दिया गया था। कोरोना वायरस की वजह से मनसून सत्र देर से शुरू हुआ। सत्र शुरू होने के बाद दो केंद्रीय मंत्रियों और एक भाजपा सांसद के सत्र के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद मनसून सत्र को तय अवधि से पहले समाप्त करने पर विचार किया जा रहा है। अगले सप्ताह मंगलवार या बुधवार को संसद का मनसून सत्र खत्म किया जा सकता है। भाजपा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे ने राज्यसभा में भाषण दिया था। इसके बाद वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, जबकि सत्र शुरू होने से पहले की गई जांच में वे निगेटिव थे। इसी तरह नितिन गडकरी और प्रहलाद पटेल भी बाद में पॉजिटिव हुए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को ट्विट करके बताया कि वे कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

अद्भुत नदी : विश्व की सबसे लम्बी नदी

अमरेन्द्र सहाय अमर

नील नदी का उपहार कहा जाने वाला मिस्र उत्तर–पूर्वी अफ्रीका का एक देश है, जिसका लगभग एक तिहाई भाग मरुस्थल है. मिस्र की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है. इस देश का लिखित इतिहास ईसा पूर्व ५००० वर्ष से भी पहले का मिलता है. इजिप्ट अफ्रीका महाद्वीप का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है. मिस्र का विस्तृत और समृद्ध साहित्य यहाँ की संस्ंति और अरबी का महत्वपूर्ण अंग है. अरबी साहित्य में आधुनिक शैली के प्रयोगों की शुरुआत मिस्र के उपन्यासकार और कवियों ने ही की थी. उनके द्वारा विकसित लेखन शैली का आगे चलकर काफी अनुसरण किया गया. मिस्र का कुल कृषि क्षेत्र नील नदी के डेल्टा वाला भाग है, जिसे निचला मिस्र कहते हैं. यहाँ की मुख्य फसलें हैं – कपास, प्याज, आलू, गेहूँ, मक्का, ज्वार–बाजरा, चावल, गन्ना और विभिन्न फल. मिस्र 'लीग ऑफ अरब स्टेट्स' का सदस्य है. यदि इजिप्ट में नील नदी नहीं होती तो यह पूरा देश एक मरुस्थल ही होता, इसलिए मिस्र को नील नदी का उपहार कहा जाता है. नील नदी दुनिया के सबसे लम्बी नदी है. यह ६८५३ किलोमीटर में अफ्रिका महाद्वीप में बहती है. नील नदी विक्टोरिया झील से शुरू होकर अफ्रीका के

पूर्वी भाग से गुजरती हुयी भूमध्य सागर में गिरती है. यह लगभग ११ देशों से होकर गुजरती है. सफेद नील और नीली नील इसकी मुख्य सहायक नदियाँ हैं, नील नदी ने मिस्र के समाज और जीवन को काफी प्रभावित किया है. यह नदी प्राचीन मिस्र के लोगों को भोजन, परिवहन और घर बनाने के सामान तथा अनमोल वस्तुएं उपलब्ध करती है .मिस्र की प्राचीन सभ्यता का भारत मिलान करें तो कोई समानता नही मिलती है. परन्तु अगर भारत में जीवन दायिनी गंगा है तो मिस्र में नील नदी. दोनों ही देशों में अगर यह नदियाँ न होती तो क्या हालत होती इसकी कल्पना भी भयावह है. दोनो देश रेगिस्तान होते. मिस्र में गाय को सबसे अधिक सम्मान दिया जाता है क्योंकि वह एक उपयोगी पशु है. इसी तरह भारत में भी गाय को गो माता का दर्जा प्राप्त है. नील नदी की घाटी एक सँकरी पट्टी सी है जिसके अधिकांश भाग की चौड़ाई १६ किलोमीटर से अधिक नहीं है, कहीं–कहीं तो इसकी चौड़ाई २०० मीटर से भी कम है. अपने मुहाने पर यह १६० किलोमीटर लम्बा तथा २४० किलोमीटर चौड़ा विशाल डेल्टा बनाती है. घाटी का सामान्य ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है. मिस्र की प्राचीन सभ्यता का विकास इसी नदी की घाटी में हुआ है. इसी नदी पर मिस्र देश का प्रसिद्ध अस्वान बाँध बनाया गया है. नील नदी की घाटी का दक्षिणी भाग भूमध्य रेखा के समीप स्थित है, अतः वहाँ भूमध्यरेखीय जलवायु पायी जाती है. यहाँ वर्ष भर ऊँचा तापमान रहता है तथा वर्षा भी वर्ष भर होती है. वार्षिक वर्षा का औसत २१२ से. मी. है. उच्च तापक्रम तथा अधिक वर्षा के कारण यहाँ भूमध्यरेखीय सदाबहार के वन पाये जाते हैं. नील नदी के मध्यवर्ती भाग में सवाना तुल्य जलवायु पायी जाती है जो उष्ण परन्तु कुछ विषम है एवं वर्षा की मात्रा अपेक्षोंत कम है. इस प्रदेश में सवाना नामक उष्ण कटिबन्धीय घास का मैदान पाया जाता है. यहाँ पाये जाने वाले गोंद देने वाले पेड़ो के कारण सूडान विश्व का सबसे बड़ा गोंद उत्पादक देश है. उत्तरी भाग में वर्षा के अभाव में खजूर, कँटीली झाड़ीयाँ एवं बबूल आदि मरुस्थलीय वृक्ष मिलते हैं. उत्तर के डेल्टा क्षेत्र में भूमध्यसागरीय जलवायु पायी जाती है, जहाँ वर्षा मुख्यतः जाड़े में होती है.।

अपराधों पर नहीं लग रहा ब्रेक

कृष्ण कुमार शुक्ला अद्भुत समाचार नेटवर्क

मोहम्मदी–खीरी। पिछले दिनों दिन–दिहाड़े तहसील में एक अधिवक्ता के तख्त से एक महिला से लुटेरा नोटो एवं जेबर से भरा बैग लेकर चम्पत हो गया और पुलिस आज तक इस लुटेरे का पता नहीं लगा सकी कि दूसरी एक और घटना हो गयी। जिससे नगर के रामलीला मैदान आबकारी कार्यालय के निकट रहने वाले एक युवक का तीन युवा ठगो ने एटीएम कार्ड बदलकर ३६ हजार रूपया उसके खाते से उड़ा दिया। ठगो के एटीएम के अन्दर के फुटेज होने के उपरान्त भी पुलिस ठगो तक नहीं पहुंच पा रही है। ये ठग अल्टो कार से थे जो गोला रोड पीएनबी के एटीएम से कार्ड बदलने के बाद नगर के अन्दर आये फिर बरेली में एटीएम कार्ड का प्रयोग कर ३६ हजार रूपया उड़ा दिया। पुलिस इन ठगो तक पहुंचना नहीं चाहती या पकड़ना नहीं चाहती। नगर में छोटी चोरियों विशेष रूप से बकरा–बकरियों की चोरी की घटनाओ का सिलसिला काफी दिनो से जारी है। जिस पर अंकुश नहीं लग पा रहा था कि गत ११ सितम्बर २०२० को दिन दिहाड़े तहसील के अन्दर एक नामीगिरामी अधिवक्ता के तख्त पर ग्राम हरना नारायनपुर की गंगा देवी पत्नी राजेश सिंह बैनामा कराने आयी थी। तहसील में अधिवक्ता के तख्त पर बैठी थी कि भरी दोपहरी एवं भीड़ भाड़ के बीच कोई शातिर उच्चका आया और उनका बैग लेकर चम्पत हो गया। बैग में एक लाख १० हजार नकद सहित सोने के जेबर थे जिन्हे वो बेचकर भूमि बिक्रेता को पैसा देती। बैग चोरी होने की घटना से तहसील में खलबली मच गयी। पुलिस को सूचना दी गयी लेकिन पुलिस दिन–दिहाड़े इस लाखो की लूट अभी तक पता नहीं लगा पायी। तहसील प्रांगण में अधिवक्ता के तख्त से नोटो व जेबर से भरे बैग की चोरी की घटना का खुलासा अभी पुलिस कर भी नहीं पायी थी कि १७ सितम्बर की शाम साढेष सात बजे एक दूसरी घटना घटित हो गयी। कोतवाली के निकट आबकारी कार्यालय से लगे में रहने वाले शिवनन्दन त्रिपाठी पीएनबी बैंक के एटीएम से पैसा निकालने गये थे। शिवनन्दन त्रिपाठी के अनुसार जिस समय वो एटीएम में पहुंचे तो उसमें दो युवक पहले से मौजूद थे दो बाहर खड़े थे जब वो अन्दर घुसा तो उन युवको ने किनारे हटकर उससे पैसा निकाल लेने को कहा। इस बीच उसने एटीएम से पैसा निकाला और इन तीनो से उसे बातो में उलझा कर उसका एटीएम कार्ड पलक झपकाते ही बदल दिया वो इसको भाप तक नहीं पाया और तीनो एटीएम केबिन से बाहर निकल आये। लेकिन कार्ड बदलने से लेकर उसे बातो में उलझाने की सारी प्रक्रिया केबिन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। श्री त्रिपाठी घर चले आये। रात लगभग १२ बजे के आस–पास उसके मोबाइल पर तीन मैसेज आये कि उसके खाते से चार बार में ३६ हजार रूपया बरेली के एटीएम से निकाला गया है जिसे पढ़कर वो भौचक्का रह गया। तब इस ठगी के पहले बैंक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये बाद में नगर पालिका गेट पर लगे कैमरे के फुटेज देखे गये तो पता लगा कि ये चार युवक थे जो एक अल्टो कार से थे। ये कार बैंक से नगर पालिका की ओर आकर गुरूद्वारा रोड की ओर मुड़ गयी तालिब अली चौराहे तक उसे देखा गया फिर लापता हो गयी। श्री त्रिपाठी ने बताया कि जब पलक झपकते ही कार्ड बदल कर उसे वापस दिया तो उस समय उसने उसे नहीं देखा जब उसके पास मैसेज आये तो उसने कार्ड देखा तो वो कोई बालक राम के नाम का कार्ड था उसने इस ठगी की सूचना पुलिस को दी। ठगो के फुटेज में उनके फोटो भी मौजूद है। लेकिन पुलिस इन युवा ठगो तक नहीं पहुंच पा रही है। इससे पूर्व कोतवाली गेट से एक पत्रकार की बाइक चोरी की घटना हो या डा० सुरेन्द्र सिंह के अस्पताल से बाइक चोरी की घटना हो पुलिस के लम्बे हाथ किसी भी घटना का खुलासा आज तक नहीं कर पाई है क्यो..?

प्रेस क्लब के सदस्यों की बैठक सम्पन्न

स्वर्गीय यासीन को दी श्रद्धान्जलि

लखीमपुर/मोहम्मदी–खीरी। नगर के पीडी भारतीय इण्टर कालेज के सभागार में प्रेस क्लब मोहम्मदी के सदस्यों की एक बैठक रविवार को अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें खीरी के वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद यासीन के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। पत्रकार किशन निषाद ने स्वर्गीय यासीन के व्यक्तिव और तित्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ पत्रकार वीपी सिंह ने कहा कि यासीन भाई ने सदैव पत्रकारिता के धर्म की रक्षा की। महामंत्री प्रेस क्लब मुजीब अहमद सिद्दीकी ने कहा कि यासीन भाई पत्रकारिता के आदर्श स्तम्भ थे। प्रेस क्लब के अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि एक सूरज था कि तारों के घराने से उठा। आंख हैरान हैं क्या शख्स जमाने से उठा।। मोहम्मद इलियास ने कहा कि बिछड़ा कुछ इस अंदाज से कि रुत ही बदल गयी। इक शख्स शहर को वीरान कर गया। अंत में सभी उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीपी सिंह, महामंत्री मुजीब अहमद सिद्दीकी , मोहम्मद इलियास, रियासत अली, श्रीकांत सिंह, फिरोज मंसूरी, तनवीर सिद्दीकी, किशन निषाद, शाहवाज सिंगद्दीकी, रजनीश सिंह, पुष्पेन्द्र कनौजिया, राम कुमार कश्यप, अजय अग्निहोत्री, मोहम्मद असलम रजा, विमल सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, मोहम्मद शारिब अली योगेश श्रीवास्तव और आई टी प्रभारी शिवम् राठौर आदि तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

बाइक चोरी की घटना सीसी टीवी कैमरे में कैद

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र के आस–पास सिटी लाइफ के निकट बने सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर में गत गुरुवार को लगभग २रू०० बजे के आसपास अपने बेहजम थाना नीमगाँव बढरिया गाँव से मुन्ना लाल शुक्ला पुत्र लाल जी शुक्ला जो कि अपनी पत्नी का सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर में अल्ट्रासाउंड कराने के लिए हीरो होंडा स्प्लेंडर न्द्र.३१.न्.०३३० अल्ट्रासाउंड में लगभग ३ घंटे बाद लगभग ५रू०० बजे डाइट सत्यम डायग्नोस्टिक से बाहर निकले तो देखा बाइक गायब थी बाइक चोरी की घटना का सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में साक्ष्य वीडियो मौजूद है।

कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाले सिद्ध होंगे दो नए विधेयकः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि क्षेत्र के दो विधेयकों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के प्रतिबिंब यह विधेयक कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाले सिद्ध होंगे। योगी ने रविवार को कहा कि 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, २०२०' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, २०२०' पूर्ण रूप से कृषि और कृषकों के हित में हैं। यह किसानों की आय में कई गुना वृद्धि करने वाली सिद्ध होंगे। अब किसानों को कानूनी बंधनों से आजादी मिलेगी, कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आएगा, खेती–किसानी में निजी निवेश होने से तेज विकास होगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होने से देश की आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक कृषि उपज के कुशल, पारदर्शी और बाधारहित अंतर–राज्य और राज्य के भीतर व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगा। इससे किसानों को बिक्री और खरीद के लिये पसंद की स्वतंत्रता प्राप्त होगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ही फसलों के समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए त्वरित व पारदर्शी प्रक्रिया से किसानों को

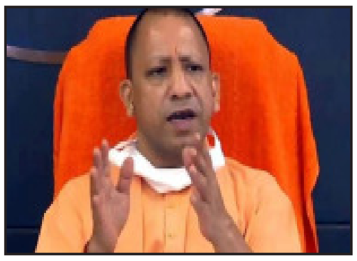

उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया। वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार किसान हितों के संरक्षण के लिए तसंकल्पित हैं। किसानों को उनकी उपज की पूरी कीमत प्राप्त होगी। इन विधेयकों के विरोध में कुछ राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही टिप्पणियों को मुख्यमंत्री ने भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास बताया है। उन्होंने किसानो से अपील की है कि वह किसी के बहकावे में न आएं। कुछ लोगों को कृषकों की उन्नति रास नहीं आती। यह वही लोग हैं जिन्होंने बीते छः–सात दशकों तक किसानों को महज वोट बैंक समझा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय को दोगुना करने के लिए तसंकल्पित है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए मौजूदा सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में लगातार प्रयास कर रही है। कृषि और किसान कल्याण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक नीतिगत कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी के दृष्टिगत लागू लॉकडाउन के दौरान ही राज्य सरकार द्वारा फल व सब्जी में ४५ जिंसों को मण्डी शुल्क से मुक्त कर दिया गया, जिसका किसानों को सीधा लाभ मिला। षक अब अपने फल या सब्जी की राज्य में कहीं से भी बिक्री करने के लिए स्वतंत्र हैं। किसानों को मण्डियों में भी अपनी उपज का विक्रय करने का विकल्प उपलब्ध हैं जहां मण्डी शुल्क के स्थान पर मात्र ०१ प्रतिशत यूजर चार्ज क्रय करने वाले व्यापारियों से लिया जा रहा है।

वोल्वो व स्कैनिया बस सेवा पर लगाा ब्रेक

लखनऊ। राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर चलने वाली वोल्वो व स्कैनिया बस सेवा पर ब्रेक लग गया है। परिवहन यात्रियों को अपनी पसंदीदा बस में सफर करने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। वजह, रोडवेज प्रशासन ने वोल्वो और स्कैनिया बसों के संचालन पर ब्रेक लगा दिया है। बसों का संचालन बंद करने की एक वजह यह भी है कि अनलक में सवारियों की संख्या कम है। लिहाजा इन दिनों परिवहन निगम के लिए अनुबंधित लग्जरी बसें घाटे का सौदा साबित हो रही है। लखनऊ समेत प्रदेश भर में ६० के करीब बसों का संचालन बंद हैं। इससे अनुबंधित बस मालिकों की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि बीते वर्ष रोडवेज ने प्रदेश भर में १०० लग्जरी बसों का अनुबंध किया था। गाड़ी

मालिकों ने बैंक से लोन लेकर बसें खरीदकर रोडवेज से अनुबंध कर लिया। अब बसों का संचालन बंद होने से बैंक किस्त समेत अन्य खर्चों की वजह से बस मालिक सड़क पर आ गए हैं। उप्र अनुबंधित बस ओनर्स एसोसिएशन के महासचिव अजीत सिंह ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा है कि आपके ड्रीम प्रोजेक्ट को रोडवेज के अधिकारी बंद करने पर तुले हैं। इस मामले में मुख्य प्रधान प्रबंधक (संचालन) पीआर बेलवारियार बताते हैं कि फेस्टिवल सीजन शुरू होने जा रहा है। जल्द ही बंद बसों का संचालन शुरू कराया जाएगा। रोडवेज की लग्जरी बसों का संचालन बंद होने से यात्री डग्गामार बसों की तरफ भाग रहे हैं। जबकि इन बसों में यात्रियों का सफर सुरक्षित नहीं है। बावजूद निगम प्रशासन यात्रियों के मनपसंद बसों को शुरू करने के दूर भाग रहा है।

बेसिक शिक्षकों को अंतर जिला स्थानांतरण की अनुमति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग में ५४,१२० शिक्षक शिक्षिकाओं के अंतर जिला स्थानांतरण की अनुमति प्रदान की है। इस स्थानांतरण में शिक्षक शिक्षिकाओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। स्थानांतरण की यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संचालित की गई। यह स्थानांतरण मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में शिक्षकों/शिक्षिकाओं की सहूलियतों के मद्देनजर किया गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि एनआईसी के सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्थानान्तण संबंधी सभी आवेदन पत्रों को वैज्ञानिक आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए स्वीकार किया गया। इस स्थानांतरण प्रक्रिया में २८,३०६ महिला तथा २५,८१४ पुरुष शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। इनमें ६१७ शिक्षक/शिक्षिकाएं सशस्त्र बलों के जवानों के परिवारों से जुड़े हैं, जिन्होंने यह सुविधा प्राथमिकता के आधार पर बिना शर्त प्रदान की गई। इनके अलावा, दिव्यांगजन श्रेणी के २,२८५ स्थानांतरण संबंधी आवेदन पत्रों को स्वीकार करते हुए उन्हें स्थानांतरित किया गया तथा गंभीर व असाध्य बीमारी से ग्रसित २,१८६ लोगों को स्थानान्तरण का लाभ दिया गया।

समस्त थानों पर समाधान दिवस का आयोजन किया गया

मो० अरशद

मऊ। प्रत्येक माह के प्रथम व तृतिय शनिवार को थानों पर जनशिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराये जाने के क्रम में आज दिनांक १६.०६.२०२० को जनपद के समस्त थानों पर समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जन शिकायतों को सुना गया तथा त्वरित निस्तारण हेतु सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। समस्त थानों पर पड़े कुल प्रार्थना पत्रों का विवरण निम्नवत है– थाना चिरैयाकोट में ०४ प्रा०पत्र पड़े व निस्तारण ०२, थाना दक्षिणटोला में ०३ प्रा०पत्र व निस्तारण ०३, थाना दोहरीघाट में ०८ प्रा० पत्र पड़े, निस्तारण ०१, थाना घोसी में १० प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ०३, थाना हलधरपुर में ०८ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ०१, थाना कोपागंज में ०६ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ०१, थाना कोतवाली में ०२ प्रा०पत्र, निस्तारण ०२, थाना मधुबन में ०६ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ०१, थाना मुहम्मदाबाद में १३ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ००, थाना रानीपुर में १६ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ००, थाना सरायलखंसी में ०६ प्रा०पत्र पड़े, निस्तारण ०१, शेष प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराया जा रहा है। इस दौरान कोविड–१६ के ष्टिगत जारी दिशानिर्देशों को अनुपालन करते हुए जनसुनवाई की गयी।

इंदिरानगर में सेक्स रैकेट पर पुलिस ने मारा छापा, संचालक समेत १२ लोग मौके से हुए गिरफ्ता

अखिलेश दुबे

लखनऊ। इंदिरानगर के शिवजीपुरम स्थित शिवानी विहार में सेक्स रैकेट का धंधा चल रहा था। पुलिस ने मौके पर लक्जरी कार समेत बाइक,१३ मोबाइल, नगदी,३ लेडीज पर्स, ३ पुरुष पर्स, ३ एटीएम कार्ड व अन्य आपत्तिजनक सामना बरामद किया। पुलिस ने आसपास के लोगो की शिकायत पर विशेष टीम के द्वारा सेक्स रैकेट का भांडाफोड़ किया। जिसमे रंगे हाथ मौके से पुलिस ने १२ लोगो मे ५ युवक समेत अन्य युवतियो को गिरफ्तार किया। वही संचालक/मकान मालिक रवि गुप्ता उर्फ पंकज गुप्ता, संदीप कश्यप, राजेश कुमार, कैलाश कुमार शाह और छुट्टन शाह समेत युवतियो को भी गिरफ्तार किया। लम्बे समय से निजी घर मे सेक्स

रैकेट का कारोबार फलफूल रहा था। दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, मुम्बई और यूपी के आसपास के जिलो से युवतियां आती थी। ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पंकज गुप्ता सेक्स रैकेट चला रहा था।

शांति भंग की आशंका में १७ व्यक्ति गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान शांति भंग की आशंका में थाना घोसी पुलिस द्वारा सब्बीर निवासी मलेरीपुर, रमाशंकर, रोहित, रोशन निवासीगण पौनी थाना घोसी, थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा पकंज निवासी बस्ती डाडीडीह थाना हलधरपुर, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अरविन्द राजभर निवासी मझवारा थाना घोसी, थाना मधुबन पुलिस द्वारा वीरेन्द्र, दिनेश निवासीगण लक्ष्मीपुर, नन्दलाल, संजय निवासीगण मिश्रौली, नन्दलाल, राजू उर्फ जितेन्द्र निवासीगण बहरामपुर हसनपुर थाना मधुबन, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा महेश, हरिकेश निवासीगण सूरहुपुर थाना मुहम्मदाबाद, थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा कैलाश, रामप्यारे, विन्दु निवासीगण हरपर थाना सरायलखंसी मऊ को अन्तर्गत धारा १५१ सीआरपीसी गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

लव जिहाद के खिलाफ सरकार को सख्त कार्यवाही करने के साथ सख्त कानून बनाना चाहिए : मोहसिन रजा

अखिलेश दुबे संवाददाता

लखनऊ। लव जिहाद और धर्मांतरण के मुद्दे पर योगी सरकार के मंत्री मोहसिन रजा ने कहा कि एक साजिश के तहत लव जिहाद फैलाया जा रहा है। लव जिहाद की आड़ में धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। और सिमी और पीएफआई जैसे संगठन इसके पीछे,सरकार जल्द ही इसे रोकने की कार्यवाही करेगी, साथ ही कहा कि लव जिहाद को रोकने के लिए कानून जरूरी है। सरकार को इसके खिलाफ जल्द ही कानून बनाना चाहिए।

५० लीटर अवैध देशी कच्ची शराब बरामद, ०३ गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना मधुबन पुलिस द्वारा अनवरपुर के पास से प्रेमचन्द्र पुत्र स्व० रामबली निवासी अनवरपुर थाना मधुबन मऊ के कब्जे से ३० लीटर अवैध देशी कच्ची शराब तथा थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा नीरज पुत्र सुरेश, मुकेश पुत्र समिला निवासीगण भरया थाना गढ़वार जनपद बलिया दोनों के कब्जे से १०–१० लीटर अवैध देशी कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध थाना सम्बन्धित पर धारा ६० आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

आनंदीबेन पटेल ने कृषि संबंधित विधेयकों के पारित होने का किया स्वागत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संसद द्वारा कृषि संबंधित विधेयकों के पारित होने का स्वागत किया करते हुए कहा कि अब किसान उन्नत तथा सशक्त होंगे। आनंदीबेन पटेल ने संसद से कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक एवं कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, २०२० पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनं

न करते हुए कृषक बंधुओं को बधाई दी है। उन्होंने कृषि संबंधी विधेयक पारित होने को अभूतपूर्व कदम बताते हुए कहा कि इससे हमारे कृषक बंधुओं के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। अब किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा। राज्यपाल ने इसे प्रधानमंत्री के कृषकों की आय दोगुना करने के लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम के रूप में रेखांकित करते हुए कहा कि अब किसान उन्नत तथा सशक्त होंगे।

उत्तर प्रदेश में जल्द की जाएगी गिद्धों की गणना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल्द ही लखनऊ विश्वविद्यालय में वन्यजीव संरक्षण संस्थान (आईडब्ल्यूसी) द्वारा गिद्धों की गणना की जाएगी।

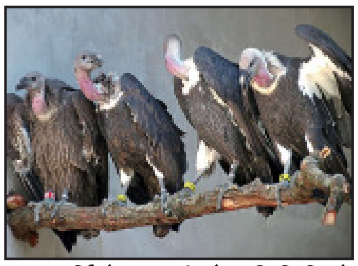

वन कर्मियों, एनजीओ प्रतिनिधियों और एवियन स्वयंसेवकों के लिए एक वर्कशॉप २१ से ३० सितंबर के बीच वेबिनार के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को गिद्ध मैपिंग के लिए प्रशिक्षित करना है। यह कदम विलुप्त होने के कगार पर पहुंची एवियन प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रयास का एक हिस्सा है। राज्य सरकार ने गिद्धगणना के लिए १६ लाख रुपये की मंजूरी दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग की प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने कहा, "इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के अनुसार, भारत में गिद्धों की नौ प्रजातियों में से आठ उत्तर प्रदेश में पाई जाती हैं, आठ में से चार 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' की श्रेणी में हैं। एक 'लुप्तप्राय' में और तीन लगभग खतरे की श्रेणी में हैं।"

कड़ी सुरक्षा में आयोजित हुई यूपीएसईई 2020 परीक्षा

लखनऊ। प्रदेश के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों में प्रवेश के लिए राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई) का आयोजन रविवार का किया गया। अभी तक आयोजित हुई अन्य परीक्षाओं की तरह से यूपीएसईई में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों में कोरोना का खौफ देखने को मिला। ऐसे में २७ प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इस बारे में जानकारी देते हुए यूपीएसईई २०२० के समन्वयक प्रो. विनीत कंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा में प्रथम और द्वितीय पाली में लगभग ७३ प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए। इसमें प्रथम पाली में लगभग ७२ प्रतिशत एवं द्वितीय पाली में लगभग ७४ प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस तरह से ओवरअल परीक्षार्थियों में २७ प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए परीक्षार्थियों को अंदर प्रवेश की अनुमति दी गयी। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यलय के प्रवक्ता आशीष मिश्रा ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के एक घंटे पहले बुला लिया गया था। पहले थर्मल स्कैनिंग की गयी उसके बाद हाथों को सैनिटाइज कराया गया, फिर केन्द्रों के अंदर प्रवेश की अनुमति दी गयी। उन्होंने बताया कि ये परीक्षा प्रदेश व प्रदेश के बाहर कुल २०६ सेंटरों पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गयी। इसमें १८७ परीक्षा केंद्र प्रदेश में एवं १६ परीक्षा केंद्र प्रदेश के बाहर बनाये गये थे। जिसमें प्रदेश के बाहर दिल्ली, चंडीगढ़, देहरादून, पटना, मुम्बई, भोपाल, जयपुर, रांची, रुड़की, कलकत्ता में परीक्षा केंद्र बनाये गये थे। आशीष मिश्रा ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग की व्यवस्था की गयी थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा तीन पालियों में सम्पन्न करवाई गयी। प्रथम पाली प्रातः ६ बजे से ११ बजे के मध्य, द्वितीय पाली पूर्वान्ह १२ बजे से अपरान्ह ३ बजे तक एवं तृतीय पाली अपरान्ह ३.४५ बजे से ६.१५ बजे सम्पन्न हो गयी। उन्होंने बताया कि थर्मल स्कैनिंग में जिन अभ्यर्थियों का शारीरिक ताप ९९.४ से अधिक पाया गया, ऐसे अभ्यर्थियों की १५ मिनट बाद पुनः थर्मल स्कैनिंग की गयी। इसके बाद भी जिन अभ्यर्थियों का शारीरिक ताप ९९.४ से अधिक पाया गया उनकी परीक्षा आईसोलेशन रूम में सम्पन्न करवाई गयी। राज्य प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन एवं कोविड–१९ के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक एवं कुलसचिव नन्द लाल सिंह ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ एवं एनसीआर क्षेत्र के सेंटरों पर औचक निरीक्षण किया। प्रो पाठक और नन्द लाल सिंह को परीक्षा केन्द्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग, सेनेटाइजेशन और थर्मल स्कैनिंग आदि व्यवस्थाएं ठीक मिलीं। कुलसचिव नन्द लाल सिंह ने बताया कि यूपीएसईई की प्रवेश परीक्षा में सोशल डिस्टेंसिंग और सेनेटाइजेशन की व्यवस्था विधिवत रही है। किसी भी अभ्यर्थियों को असुविधा नहीं हुयी है। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप बाट के माध्यम से प्रत्येक सेंटर की लाइव रिपोर्ट प्राप्त हुयी, जिससे समन्वयन में बहुत सुविधा हुई है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि सभी नोडल अफिसर से बाट के माध्यम से जुड़े रहे। सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गयी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एनसीआर के कई सेंटरों पर औचक निरीक्षण किया।

यौन शोषण मामले में अनुराग के समर्थ-न में उतरीं तापसी

मुंबई। नवोदित अभिनेत्री पायल घोष द्वारा फिल्मकार अनुराग कश्यप पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद तापसी पन्नू उनके समर्थन में उतरी हैं। आज तापसी ने अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर एक पोस्ट साझा कर अनुराग को 'सबसे बड़ा' फेमिनिस्ट

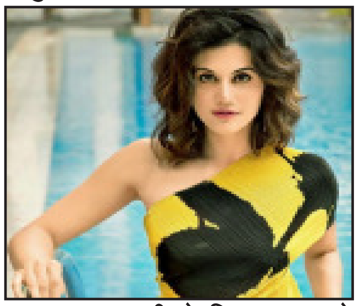

बताया। तापसी ने लिखा, तुम्हारे लिए मेरे दोस्त, मेरे जानने वालों में तुम सबसे बड़े फेमिनिस्ट हो। तुम्हारी एक नई फिल्म के साथ सेट पर जल्द मुलाकात होगी, जिसमें दिखाया जाएगा कि तुम्हारी बनाई दुनिया में महिलाएं कितनी सशक्त और उल्लेखनीय होती हैं। इससे एक दिन पहले पायल ने कश्यप के खिलाफ ट्वीट करते हुए लिखा था, अनुराग कश्यप ने मेरे साथ जबरदस्ती की है। उन्होंने मेरे साथ बहुत बुरा सुलूक किया है। नरेंद्र मोदी जी, पया इस मामले पर कार्रवाई करें जिससे देश को पता चले कि इस रचनात्मक इंसान के पीछे एक राक्षस छिपा है। मुझे पता है कि इससे मुझे नुकसान पहुंच सकता है और मेरी सुरक्षा खतरे में है। इस बीच, कश्यप ने उन पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है।

अनुराग कश्यप मेरे सामने न्यूड हो गए थे : पायल घोष

नई दिल्ली। अभिनेत्री पायल घोष ने दावा किया है कि फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने उनके साथ एक बार छेड़छाड़ करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि वह उनके सामने न्यूड हो गए थे और उन्होंने उनके साथ अंतरंग होने की कोशिश की थी। अभिनेत्री ने २०१४ में हुई घटना के बारे में खुलासा किया। पायल ने बताया, मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप ने २०१४ में मेरे साथ छेड़छाड़ की थी। निर्देशक ने मुझे बताया कि जो लड़कियों उनके साथ काम करती हैं वे उनके साथ 'गाला टाइम' बिताते हैं। इतनी देर से चुप्पी तोड़ने को लेकर पायल ने कहा, मैंने कई बार इस बारे में बोलना चाहा लेकिन मेरे परिवार और करीबी दोस्तों ने मुझे चुप रहने के लिए कहा ताकि भविष्य में मुझे किसी तरह की समस्या

न हो। लेकिन हमें ऐसे लोगों की बात करनी चाहिए तो अपनी पोजीशन का दुरुपयोग करते हैं। पायल ने उस घटना को याद करते हुए कहा, मैं उनसे यारी रोड स्थित उनके अफिस में मिलने गई थी। वह किसी और से बात कर रहे थे इसीलिए मैं वापस आ गई। अगले दिन उन्होंने मुझे फोन करके कहा कि मैं कुछ भी ग्लैमरस न पहनूं ताकि मैं अभिनेत्री लगूं। मैं सलवार कमीज में उनसे मिलने गई। उसने मेरे लिए खाना बनाया और मेरी प्लेट भी उठाई। मैं कुछ देर बाद वहां से चली आई, लेकिन उसने फिर से मैसेज कर मुझे आने का कहा तो मैंने मना कर दिया, क्योंकि काफी देर हो चुकी थी। फिर मुझसे पूछा कि मेरे साथ कौन रहता है। इसके दो या तीन दिन बाद वह फिर कश्यप से मिलीं और तभी यह घटना हुई।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक